>

Title: Need to check the spread of Naxalism through socio –economic upliftment of Tribals in the country.

श्री यशवंत लागुरी (क्योंझर): आदिवासी क्षेत्र के विकास के नाम पर विभिन्न परियोजनायें तथा कल-कारखानों की स्थापना के कारण विस्थापित आदिवासी समाज को असीम पीड़ा झेलनी पड़ रही है। अपने आंख के सामने अपने को उजड़ता देख और बाहरी लोग उनके जमीन पर अट्टालिकायें खड़ी कर रहे हैं। सदियों से शोषित, उपेक्षित, अत्याचार एवं अन्याय से पीड़ित आदिवासी समाज अपने अस्तित्व तथा स्वाभिमान की रक्षा के लिए आंदोलित हो उठी है। भारत के सबसे गरीब सभी जिले प्रायः आदिवासी क्षेत्र में पड़ते हैं। भीषण गरीबी तथा बेरोजगारी, असहनीय शोषण और अत्याचार से उपजे असंतोष के कारण आदिवासी युवक नक्सलवाद की गिरफ्त में आ जाते हैं तथा लॉ एंड ऑर्डर का मामला समझ कर सरकार नक्सलवाद को समाप्त नहीं कर सकती है। नक्सलवाद से प्रभावित होने के मूल कारणों तक जाना होगा।

सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि आदिवासियों के साथ हो रहे अन्याय, शोषण एवं अत्याचार के स्वरूप की पहचान कर उनका समुचित निराकरण करने का उपाय करे और आदिवासियों के विश्वास को पुनः बहाल करने के साथ-साथ सामाजिक तथा आर्थिक स्तर ऊँचा उठाने हेतु विकास तथा कल्याणकारी कार्यों को ईमानदारीपूर्वक लागू करके ही नक्सलवाद को समाप्त किया जा सकता है।

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House stands adjourned to meet tomorrow, the 28th July, 2010 at 11.00 A.M.

14.01 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Wednesday, July 28, 2010/Sravana 6, 1932 (Saka).

---

* Not recorded

*Report was presented to hon. Chairman, Rajya Sabha on 21st July, 2010 under Direction 3 (1) of the Directions by the Chairman, Rajya Sabha. A copy of the Report was forwarded to the hon. Speaker, Lok Sabha.

** Laid on the Table and also placed in Library, See No. LT 2633/15/10

* Not recorded

** Treated as laid on the Table